Date:-14 /05 /2020.
Day: - Thursday.
Time: - 10:30 to 11:20.
Class:- B.Ed. session (2019 21)
1st year. Subject: - contemporary India and Education.paper:-2

Topic Taught (e- content):- Diversity at the level of regions,languages, religion,caste and tribes.
(क्षेत्रीय, भाषाई ,धार्मिक ,जाति और प्रजाति के स्तरों पर विभिन्नताएं)
:-----------

प्रस्तावना-

विविधता का अर्थ:- हम पाते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी भौगोलिक, ऐतिहासिक, सामाजिक स्थिति के कारण एक-दूसरे से भिन्न होते हैं, प्रत्येक व्यक्ति अपनी निजी सोच विचारधारा नस्लें ,लिंग ,धर्म ,रहन-सहन भाषा इत्यादि उसे दूसरे व्यक्तियों से भिन्न बनाते हैं ,इसी को हम विविधता कहते हैं।

इस संबंध में गरशेल महोदय ने कहा है कि "विविधता का अर्थ योग्यता लिंग जाति, प्रजाति ,भाषा चिंतन सामाजिक आर्थिक एवं विकलांगता ,व्यवहार या धर्म से संबंधित होता है।"

भारत में विविधताएं

भारत एक विशाल देश है यहां अनेक धर्म, भाषा,त्यौहार खानपान में विविधता देखने को मिलती है। दुनिया की किसी भी देशों में ऐसी विविधता शायद ही देखने को मिलती है।

भारत में विभिन्न प्रकार की विभिन्नताएं पाई जाती है। यहां की भौगोलिक स्थिति, जलवायु ,संस्कृतियों जनजातियों,भाषाई और धर्मों में विभिन्न ताएं देखने को मिलती है। प्रश्न अनुसार हम यहां पर क्षेत्रीय ,धार्मिक, भाषाई जातीय एवं प्रजातीय स्तर पर की विभिन्नताओं पर ही प्रकाश डालेंगे:-

1.क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्नताएँ:- भारत की क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्नताओं पर जब हम दृष्टिपात करते हैं तो पाते हैं कि एक ओर जहां उत्तर में हिमालय की चोटी है तो दूसरी ओर दक्षिण में मैदान कहीं द्वीप,वन है तो कहीं डेल्टा ।यहां की जलवायु परिवर्तन शील है ।यहां के लोगों की संस्कृति अलग अलग पाई जाती है क्षेत्रीय स्तर पर हम अध्ययन करने के लिए हमभारतभारत की भूमि को हम चार भागों में बांट सकते हैं :-

1.विस्तृत हिमालय का क्षेत्र - इसमें कहीं दुर्गम पहाड़ है तो कहीं पठार तो कहीं उपजाऊ घाटियां ,कश्मीर ,कुल्लू कुमाऊं ,नेपाल, सिक्किम, भूटान जैसे क्षेत्र आती हैं । सौंदर्य की दृष्टि से अत्यंत मनोरम और मनमोहक है।

2.रेगिस्तान-राजस्थान में अरावली पर्वत ,विशाल रेगिस्तान, कच्छ के रण, लघु रेगिस्तान ,जैसलमेर से जोधपुर तक फैला हुआ है।

3.सिंधु और गंगा का मैदान- इन क्षेत्रों में गंगा ब्रह्मपुत्र, सिंधु की नदियां है ।उत्तर प्रदेश, दिल्ली ,पंजाब इत्यादि शहर बसे हुए हैं।

4.दक्षिण प्रायद्वीप-नर्मदा,ताप्ती,महानदी,गोदावरी जैसी नदियां हैं। इन क्षेत्रों में मौसम अच्छा रहता है,और भूमि उपजाऊ है।

2. भाषाई विविधता(linguistic diversity)

भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है। समाज में भाषा का महत्वपूर्ण स्थान है। भाषा से ही मानव की धार्मिक, आर्थिक ,राजनीतिक जीवन सफल होता है। संप्रेषण और अधिगम के लिए जरूरी है ।मानव चिंतन की अभिव्यक्ति भाषा के बिना संभव नहीं है। सन 1991 की जनगणना के अनुसार देश में 1652 भाषाएं बोली जाती थी ।प्रारंभ में भारतीय संविधान ने 14 भाषाओं की मान्यता दी। पुनः एक और भाष। को मान्यता दी गई ।सन 1992 में तीन और भाषाओं को जोड़ा गया ।वर्तमान में कुल संविधान के द्वारा 22 भाषाओं को मान्यता मिली हुई है। इसके अतिरिक्त अन्य भाषाएं हैं जिनमें भारतीय साहित्य का योगदान रहा है ,जैसे अवधी ,भोजपुरी, ब्रज, बुंदेली, छत्तीसगढ़ी , मगही, निमाड़ी ,पहाड़ी इत्यादि।

प्रसिद्ध विद्वान इरावती कर्वे ने भाषागत विविधताओं को तीन भागों में विभक्त किया है:(क) इंडो यूरोपियन भाषाई परिवार:- इसके अंतर्गत पंजाबी सिंधी हिंदी बिहारी बांग्ला असमिया राजस्थानी गुजराती मराठी उड़िया कश्मीरी जैसी भाषाएं बोली जाती है । देश में बोली जाने वाले भाषाओं का 78•4 प्रतिशत इसी परिवार के अंतर्गत आते हैं।

(ख) द्रविड़ भाषायी परिवार:- इसके अंतर्गत तेलुगू ,कन्नड़ ,तमिल, मलयालम , कोड़गु, गोंडीइत्यादि भाषाएं बोली जाती है ।देश का लगभग 20•6 प्रतिशत बोले जाने वाली भाषाओं में इसी परिवार से बोली जाती है।

(ग) ऑस्ट्रो एशियाई परिवार:- इसमें मुंडारी, बॉन्डो ,जुआंग भूमिया, संथाली खासी इत्यादि भाषाई परिवार है।